LOK SABHA

Friday, July 11, 1980/*Asadha* 20, 1902 (*Saka*)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

OBITUARY REFERENCE

MR. SPEAKER: I have to inform the House of the sad demise of Shri Bangshi Thakur, who was a Member of the Second Lok Sabha during 1957—62 from Tripura constituency.

He was a Member, Tribal Welfare Committee, Government of Tripura in 1951 and Assessor, District Judge's Court, Tripura during 1954-55. As a social worker, Shri Thakur organised Tripura Youngmen's Association and Sabuj Samity, an organisation for social reforms.

He was one of the organisers of "Association of the Unemployed" and the Praja Mandal.

He passed away at Agartala on 3 July, 1980 at the age of 82.

We deeply mourn the loss of this friend and I am sure the Hous wil join me in conveying our condolences to the bereaved family.

The House may stand in silence for a short while to express its sorrow.

The Members then stood in silence for a short while.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

सुपर बाजार दिल्ली का कार्यकरण

*490. **श्री मूल चन्द डागा** : क्या **नागरिक पूर्ति** मंत्री निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला विवरण सभा-पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि :

(क) सुपर बाजार में जो दिल्ली में एक बड़ा उपभोक्ता सहकारी भंडार है, कुल कितना धन निवेशित है तथा गत तीन वर्षों में उसकी कुल आय कितनी रही है तथा उसे कितना लाभ हुआ है ;

(ख) क्या यह सच है कि सुपर बाजार में प्रोत्साहन भी दिया जाता है ; और

(ग) यदि हां, तो उपरोक्त अवधि में वर्षवार प्रोत्साहन के रूप में कितनी राशि दी गई ?

नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) से (ग). एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

विवरण

(क) (1) सुपर बाजार के प्रारम्भ होने से, शेयर पूंजी और ऋण के रूप में केन्द्रीय सरकार की कुल निविष्ट पूंजी के बारे में गत तीन वर्षों का वर्षवार ब्यौरा इस प्रकार है :—

	30-6-78 को	30-6-79 को	30-6-80 को
	(रु0)	(रु0)	(0)
(i) शेयर पूंजी	79,24,000	82,99,000	84,99,000
(ii) ऋण	93,30,000	93,09,000	93,99,000

(2) कुल बिक्री . . . .

1977-78	1978-79	1979-80
10,89,39,000	9,97,61,000	12,53,75,100

(3) लाभ

1977–78	1978–79	1979–80
(रु0)	(रु0)	(रु0)
85,000	2,35,000	25,00,000

(कुल बिक्री तथा लाभ संबंधी आंकड़े अनन्तिम हैं और इनका अभी आडिट होना है)

(ख) और (ग). गत तीन वर्षों के दौरान प्रोत्साहन के रूप में दी गई राशि इस प्रकार है :—

1977–78	1978–79	1979–80
(रु0)	(रु0)	(रु0)
61,000	25,000	1,35,000

श्री मूलचन्द डागा : सुपर बाजार की जो योग्यता है, वह तो आज हमें मालूम हो रही है कि सुपर बाजार में हमें वह चीजें सस्ती नहीं मिलती जो बाजार में मिलती हैं, मैं उस पर जाना नहीं चाहता । मंत्री जी ने जो फिगर्स दिये हैं उसमें यह बतलाने की कृपा करें कि गवर्नमेंट कितनी सब्सीडी उनको देती आ रही है और आपको एकुमुलेटिड लासेस कितने हैं और प्रतिवर्ष इस बारे में कितनी सब्सीडी गवर्नमेंट देती है । जो फिगर्स बताये हैं इससे मालूम नहीं होता । जब कि आपने 1978-79 में 25,000 रुपये दिये, मैं जानना चाहता हूं कि गवर्नमेंट ने कितनी सब्सीडी दी है और उनके एकुमुलेटेड लासेस को किस प्रकार मीट किया है ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : अभी जो हमारे पास आंकड़े हैं, उनमें एकुमुलेटिड लासेज का विवरण नहीं है । वह मैं लेकर सभा-पटल पर रख दूंगा जिससे लोगों को अन्दाजा हो जायेगा कि इसमें कितना नुकसान हुआ है ।

जहां तक सब्सीडी का सवाल है, वह एक नियम के अनुसार कुछ ऐसी वस्तुओं पर दी जाती है जिनका रोजमर्रा उपयोग आम जनता के द्वारा किया जाता है । सब्सीटी भी कोई बहुत ज्यादा नहीं है और 1966 से जब से सुपर बाजार का कार्य प्रारम्भ हुआ है उस वक्त से कितनी सब्सीडी दी गई, उसके फिगर्स मैं सभा-पटल पर रख दूंगा ।

श्री मूलचन्द डागा : मैं पिछले तीन साल के फिगर्स चाहता था, आपने लासेज, प्राफिट में यह नहीं बताया कि कितनी सब्सीडी सरकार देती है। प्रतिवर्ष पिछले वर्षों में कितनी सब्सीडी दी है ? मकान का किराया क्या है, मकान बनाकर दे दिया है, बिल्डिंग दे दी है, मैं कहना चाहता हूं कि आप अपने घाटे को छिपाकर मत बताइये ।

अध्यक्ष महोदय, यह मेरा पहला ही क्वैश्चन है, दूसरा नहीं है ।

श्री विद्याचरण शुक्ल : पहली बात तो मैं माननीय सदस्य से यह कह दूं कि सुपर बाजार कोई मुनाफा कमाने के लिये शुरू नहीं किया गया है, यह केवल हमारे उपभोक्ताओं की सुविधा के लिये है जिसमें कीमतें ठीक से ली जायें और भाव ठीक चले । अगर गलत ढंग से दाम बढ़ते हैं तो उनपर रोक लगाई जाये ।

सब्सीडी का मैंने कहा कि मेरे पास इस समय फिगर्स नहीं हैं, इकट्ठा कर के पटल पर रख दूंगा, पूरा बताने का प्रयास करूंगा कि किसी भी तरह से नुकसान छिपाने का प्रयास नहीं किया गया है, क्योंकि यदि सुपर बाजार में कोई नुकसान भी हुआ है, तो वह कोई शर्म की बात नहीं है । सवाल यह है कि उससे उपभोक्ताओं की सेवा ठीक ढंग से की जा रही है या नहीं । फ़ायदे नुकसान की बात तो मैं बहुत गौण मानता हूं ।

श्री मूलचन्द डागा : अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का उत्तर नहीं आया है । सब्सीडी का एमाउंट भी तो जनता पर एक प्रकार का टैक्स है । मैं यह जानना चाहता हूं कि सुपर बाजार का वेज बिल कितना है और वहां पर इनसेन्टिव किस आधार पर दिया जाता है । पिछले साल 25,000 रुपये इनसेन्टिव दिया गया था और इस साल 1,36,000 रुपये दिया गया है । यह इनसेन्टिव किन किन को दिया जाता है और किन किन को दिया गया है ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : पहले इनसेन्टिव का आधार काउंटर-वाइज सेल था और जितना सेल किया जाता है, उसके मुताबिक काम करने वाले लोगों को इनसेन्टिव दिया जाता था । अब इसका एक दूसरा आधार बनाया गया है । 1979 से एक रिवाइज्ड स्कीम शुरू की गई है, जिसके मुताबिक डिपार्टमेंटवाइज मन्थली इनसेन्टिव दिया जाता है। बैंच-मार्क नाम की एक चीज बनाई गई है; जो उसके अतिरिक्त सामान बेचते हैं और सेवा करते हैं, उनको इनसेन्टिव दिया जाता है । उसका फ़ार्मूला इस प्रकार है : 3 × मन्थली परफार्मेन्स X 110 100 इसके आधार पर एक लाख और कुछ रुपया इनसेन्टिव के रूप में सुपर बाजार के लोगों को दिया गया है ।

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: Mr. Speaker, Sir, the hon. Minister has just now stated that the super bazar is not a profit-making body. This is only to serve the consumer and to check the price rise of essential commodities. I would like to know from the hon. Minister what percentage of people of Delhi has been served by the Super Bazar of Delhi and what is the outcome to check the price rise of essential commodities in Delhi and the annual stock which has been rather...

MR. SPEAKER: Stock taking?

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: Stock deteriorated annually. I would like to know all this.

MR. SPEAKER: Redundant stock.

SHRI V. C. SHUKLA: Sir, the Super Bazar is serving the consumers of Delhi quite substantilly. It is operating at present about 53 branches in the Union Territory and its total turnover per year has been indicated in the statement that I have laid before the House. It is quite substantial and...

AN HON. MEMBER: How much?

SHRI V. C. SHUKLA: I will give you the whole turnover figure. In the year 1979-80 the turnover was Rs. 12,53,75,100. This is the annual turnover. In the current year it is expected to be much higher. In every such big operation there are some redundant stocks and some deterioration in stocks, but that is not as much as some people would like to imagine. It is much less and with the increasing efficiency of Super Bazar management, we hope it will be less in future.

श्री शिव कुमार सिंह ठाकुर : अभी मंत्री महोदय ने बताया कि सुपर बाजार जनता की सेवा के लिए है मगर ऐसा नहीं है क्योंकि हमने देखा है कि मार्केट में बहुत सी चीजें सस्ती मिलती हैं और सुपर बाजार में वह मंहगी मिलती हैं और बहुत से शार्ट सप्लाई वाले आइटम सुपर बाजार में बिल्कुल गायब हो जाते हैं । मैं यह पूछना चाहता हूं कि एस्टैब्लिशमेंट पर आपका कितना खर्च होता है ? सारा जो स्टोर है, तनख्वाहें हैं, स्टेशनरी हैं, मकान किराया वगैरह है, इस सबके खर्च का परसेंटेज क्या है ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : माननीय सदस्य ने कहा कि कुछ ऐसी चीजें है जो बाजार में सस्ती मिलती है, सुपर बाजार में मंहगी मिलती है तो मैं यह जरूर चाहूंगा कि इसके बारे में वह मुझे विस्तृत सूचना दें जिससे इस तरह की कोई खराबी या गलत बात है तो उसे ठीक किया जा सके । लेकिन जब कभी भी ऐसी बात होती है तो हमें देखना चाहिए कि उसी स्तर की और उसी तरह की, यानी एक ही तरह की चीजों के दाम में कोई अन्तर है क्योंकि इससे तुलना करने में आसानी होगी । जहां तक एडमिनिस्ट्रेटिव एक्सपेंडीचर का सवाल है टोटल टर्न ओवर का केवल 6.6 प्रतिशत एडमिनिस्ट्रेशन पर खर्च आता है ।

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, 1980-81 का बजट प्रस्तुत करते समय माननीय वित्त मंत्री जी ने कहा था कि कुछ उपभोक्ता वस्तुओं के दाम में कमी होगी क्योंकि टैक्स कुछ कम किये गए है । लेकिन खुले बाजार में तो उन चीजों के दाम आये दिन बढ़ रहे है । पता नहीं मंत्री महोदय को उसकी जानकारी है या नहीं । लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि क्या सुपर बाजार में उन उपभोक्ता वस्तुओं की जैसे टूथ-पेस्ट है, साबुन है, उनकी कीमत घटी है ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : जिन वस्तुओं के ऊपर माननीय वित्त मंत्री ने अपने बजट में टैक्स कम किए हैं उनकी कीमत तुरंत दूसरे दिन से सुपर बाजार में कम कर दी गई ।

श्री रामावतार शास्त्री : नहीं यह बात नहीं है ।

श्री विद्याचरण शुक्ल : यह मुझे इसलिए मालूम है कि इसके बारे में मुझसे पूछा गया था कि चूंकि सुपर बाजार में पुराना स्टाक है जिसमें पुराने रेट से एक्साइज ड्यूटी दी गई है तो उसके

अन्दर क्या करना है ? हमें तुरन्त ही दाम कम करना है या पुराना स्टाक खत्म हो जाय तब कम किया जाये ? मैंने उनसे कहा कि मैं समझता हूं कि इसे तुरंत कम कर देना चाहिए क्योंकि पहले कभी ऐसा हुआ है कि पुराने स्टाक की चीजों के ऊपर चूंकि टैक्स बढ़ा है तो तुरन्त पुराने स्टाक पर भी वह टैक्स लगाकर पैसा कमाया गया है, इसलिए एकाध बार अगर ऐसा हुआ कि उसमें टैक्स कम हुआ है तो तुरन्त उस पर ज्यादा टैक्स देने के बावजूद भी उसकी कीमत कम कर के दे दें । इसलिए जो भी चीजें सुपर बाजार में दी गई हैं वह टैक्स कम करके ही दी गई हैं । (**व्यवधान**) . . . .

Adequate Funds for Vizag Steel Plant

*491. SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Chief Minister of Andhra Pradesh has requested him to provide adequate funds to the State Government during the current year for the execution of Yeluru Water Supply Scheme which is required for supply of water at the operational stage of the Vizag Steel Plant; and

(b) if so, the decision taken in this regard?

THE MINISTER OF COMMERCE AND STEEL AND MINES (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) Yes, Sir.

(b) The Planning Commission have since agreed to a provision of Rs. 10 crores being made for Yeluru Water Supply Scheme in the Annual Plan of Andhra Pradesh for 1980-81.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: Sir, I would like to know whether the Government is thinking that the water from this scheme is sufficient for the Plant.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Yes, Sir. The total water which we require is 65 million gallons a day, and perhaps the hon. Member is aware that apart from meeting our water requirement, this will provide irrigation facilities in a large number of areas.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: There is a doubt that this is not sufficient and unless Pochempadu project is completed the water will not be sufficient. I want to know the thinking of the Government on this.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: As I have already explained to the hon. Member, so far as this particular project is concerned it will have in fact 384 million gallons of water a day, out of which we will require about 63 to 65 million gallons a day. Therefore, so far as our requirements are concerned, we feel it will be possible for us to get the necessary water for the steel plant.

SHRI M. SATYANARAYAN RAO: This year Government has provided Re. 1 crore at the request of the State Government. I want to know the monty needed for the steel plant upto 1982-83. Secondly, may I know whether a project report has been prepared by the Russians, and if so, what action has been taken on it?

SHRI PRANAB MUKHERJEE: So far as the financing of the plant is concerned, it is known to the hon. Member that for Stage I our total requirements will be Rs. 938 crores, and for Stage II it will be Rs. 1258 crores.

In regard to the detailed project report, it is true that first it was prepared by Dastoor & Co., but subsequently when a decision was taken to incorporate Soviet technology, it was thought that in consultation with the Soviets, there should be a neccssary revision of the detailed project report, which is being done now.

Development of Air Cargo Complex at Ahmedabad Airport

*493. SHRI AMARSINH RATHAWA: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) what are the obstacles which hinder the development of air cargo complex at Ahmedabad airport; and